

नारीय हुम	हुम या कार्याही यम प्रतिनिधय जय	मन्बर व नारीय अहमम की इस हुम की सामील में नारी हुम
--------------	---------------------------------	---

7-7-15 आज पंचायती राजल लोक अदालत अधिसूचि
 न्याय आदेश के इत 2015 के गु मागीता कला
 तरलीय न्याय में प्रहृत हुई। अधीनस्थ-
 1. मुल्ली पुन गिराज जाति गुजरा नि. खेडली गुजरा
 तर. न्याय जिला अंतर्गत में रेहपोडर-
 1. नारायण 2. फे खलवली 3. रा न्याय
 2. अजयन सिंह 3. मोहनचंद 4. महेश 5. प्रकाश
 6. हरदेई नि. मुल्ली जाति साहाय नि. खलवली
 तर. न्याय
 7. जौध 8. पवन 9. गुला 10. राजवली 11. नंदोज
 जिला. कलमाम जाति साहाय नि. खलवली तर.
 न्याय के निर. 3 नामां से 1359 निर्णय
 दिनांक 5.7.08 द्वारा गुम पैनायन खलवली से
 व्यापक हो कर अंतर्गत चारा 75 L.R.नी का
 आरप को प्रहृत की है नि अधी- की साहेबादे
 नवने नयन नि प्रो लहा नं 1331 नके
 गुम खलवली का रेहपोडर 1 के उतर अधी
 मुल्ली पुन गिराज जाति गुजरा नि. खेडली गुजरा
 को फेल दिखते हुए पता नके निरले नारीय
 ने नाम दाखिल कराया नद दिना अगले अधी
 अधी मा अधी जैन खेडली गुजरा में निर- की ही
 दा. रच. में नके अधी गुम नारी की ही इस
 नाम से मुल्ली पुन गिराज जाति साहाय नि. खली
 खलवली के नाम निरला और उहने नारीय
 न नाम दा. रच. में फेलना दिना है जे निर्णय-
 निर. 3 है, जे नारी है जे निरलेनीय है।
 दा. रच. फेलन करने के इर्वा रेहपोडर 2 लहा. 1
 के पिना फेल है अधी है मा गरी, नया रिकर
 में नरी मुल्ली जिला जाति है गीरले है न नारी
 हो गया है की गेलन जान किने निर. 3 निर. 3
 गुम निर. 3 है। अधी- की उतर न. ला. 1331
 को नारीय दिनांक 9.9.14 को हुई. जिसकी नारीय
 हुने की एक माह के अन्त अधील अधीनस्थ पेप
 है निरला की अधी सभाभोजन हुई यथा 5
 निरलेन लर का अधी नय 14पय-प न
 प्रहृत है।

अधील अधीनस्थ नरी रति की अकल
 रेहपोडरस हुने गुल नामा लनक निना
 गभा/ आज लोक अदालत की गनना ले
 पोर्टल लोक प्रहृतान ने उपलब्ध होका
 सगाता -



राजीवगंगा प्रकल्प क्रिया है कि - " विवाह
आय. सं. 1359 दिनांक 5-7-08 द्वारा
सरपंच गा. पं. खखलली नामक विचारधन का
सं. नं. 1331 वाले गा. खखलली रेस्पो. के वि.
अथ मुल्ली पुन शिरजि आदि ब्रह्मण कि
खखलली के कच्चे काल को भूमि गरी है। 1359
शरजी मुल्ली पुन शिरजि आदि मुर्तम मेनादी
खेडली भूमि के कच्चे काल को है तथा मुल्ली
पुर्तम स्वयं जीवित है तथा भूमि का कावेज
है 1 रेस्पो. के विना। बाबा मुल्ली पुन शिरजि
ब्रह्मण को विरासत का नामा सं. 1359 एकर
दर्ज हुआ है जिस निरस्त क्रिये जाने में हम
रेस्पो. को कोई आपत्ति नहीं है।" यह
राजीवगंगा केंद्र एवं सलाहदाता एडवोकेट के तदुपरो
द्वारा प्रमाणित क्रिये जलद शकिल प्रभावली
क्रिया गया।

परवारी हल्का खखलली से विभाजन
नामा सं. 1359 गा. खखलली की प्रति फल
तलक कर अचलीकरण क्रिया. जिससे स्वादेन
होना है कि तत्कालीन परवारी द्वारा दिनांक
01-5-08 को सं. ल. सं. 1331 वाले गा.
खखलली को बन्वत "मुल्ली पुन शिरजि
कोय भूमि स्व. देह स्वामि (रहेदिग PLDBC नगर
मुर्तम को फौली मुल्ली ५ शिरजि के वाटिका
रेस्पो. सं. 2 लगा 11 के नाम दर्ज कर G.L.R
को - गल्ले जॉन उद्भूत क्रिया है जिस दि.
28-5-08 को 14R के विधायी कंत्रित को है
है - " नारिसान का राजरा कंत्र क्रिया
जल्ले. फिलान क्रिया कंत्र सही है।" इहले
परचल सरपंच गा. पं. खखलली के दिनांक
5-7-08 को अपने निर्णय के कंत्रित क्रिया है
कि - " आज दिनांक 5-7-08 को यह दा. खा.
पंचायत कोरम के सायदा पैरा हुआ नवीनांन.
(9-13) सबी सागाति से स्वीकार है।" इहले -
यह स्पष्ट होता है कि सरपंच गा. पं. खखलली
द्वारा उक्त नामा का निर्णय करने समय -
पंचायत की मीटिंग में विद्वान जॉन नदी को
है नामा सुनके मुल्ली पुन शिरजि ब्रह्मण
को विरासत का दर्ज है, जबकि कलम -

